हिन्दुस्तान दिनांक - 18-11-14

कौशल प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में बोले मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी

एक करोड़ को कौशल विकास की ट्रेनिंग

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने सोमवार को कहा कि बिहार के एक करोड़ युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद कक्ष में एक लाख ग्रामीण युवाओं के कौशल संवर्द्धन के लिए सूबे के सभी जिलों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में उन्होंने यह बात कही। ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा भी इस मौके पर मौजूद थे। जीविका स्किल्स के नाम से शुरू हुई इस योजना के कार्यान्वयन के लिए मुख्यमंत्री ने यह परामर्श दिया कि प्रशिक्षण लेने वालों के चयन में वे विकास मित्रों की मदद ले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 25 वर्षों के दौरान गांवों में एक बिचौलिया वर्ग पैदा हुआ है जो गांव वालों का शोषण करता है। प्रशिक्षण के बाद भी इस कारण युवाओं को नियोजन में परेशानी आती है। उन्होंने कहा कि नियोजन का प्रशिक्षण जहां से मिले वहां से ही सर्टिफिकेट भी मिलना चाहिए, ताकि रोजगार हासिल करने में सुविधा हो। शहरों में तो कुछ हद तक स्थिति ठीक है पर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण की परेशानी है। इसलिए जिन संस्थाओं ने प्रशिक्षण के लिए जीविका के साथ करार किया है, वे प्रखंड स्तर पर आम काम करें। युवाओं को भी उद्यमिता पर ध्यान देना होगा। बैंकों से लोन दिलाने में सरकार उनकी मदद करेगी।

ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र ने कहा बिहार में 18 से 40 वर्ष के युवाओं की संख्या कुल आबादी का 3.4 प्रतिशत यानी 3.5 करोड़ है। इनमें से मात्र तीन प्रतिशत लोगों के पास ही वोकेशनल ट्रेनिंग है। वहीं वोकेशनल ट्रेनिंग का राष्ट्रीय औसत 15 प्रतिशत है। वैसे यह भी कम है पर बिहार और राष्ट्रीय औसत के बीच इस बड़े अंतर पर काम किया जाना जरूरी। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव एसएम राजू और जीविका की मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन विजयलक्ष्मी ने भी इस मौके पर अपने विचार रखे।

जीविका स्किल्स

- विकास मित्र के माध्यम से प्रशिक्षण लेने वालों के चयन का परामर्श
- युवाओं को काम के लिए बैंकों से लोन दिलाने में सरकार करेगी मदद